- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान DILRMP में सफल गांव का होगा अभिनंदन

04 केसरिया महोत्सव में लोकगायिका मैथिली ठाकुर होंगी आकर्षण का केंद्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 19 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 281

इनके आने की है संभावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स, गृह मंत्री अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, क्लाइव लॉयड, कपिल देव, एमएस धोनी, इयान मोर्गन, रिकी पॉन्टिंग, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, नीता अंबानी परिवार के साथ, मुकेश अंबानी, गौतम व करण अदाणी, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, अनिल रायगुप्ता, माधव सिंघानिया, दीपक पारेख, अदार पुनावाला, आथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, अक्षय कुमार, अजय देवेगन, पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ, हार्दिक पंडया और चहल, मोहनलाल वेंकटेश, सिंगापुर के गृह मंत्री के शनमुगम, चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक श्रीनिवासन आदि के अहमदाबाद मैच देखने आने की सूचना है।

8 राज्यों के सीएम सहित कई हस्तियां होंगे शामिल

वर्ल्ड कप क्रिकेट का फाइनल आज

अहमदाबाद। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइलन मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदाबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरू की है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जाएगा।

मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है।

मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान

मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

रविवार को दिन के 3 बजे अहमदाबाद आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने रविवार को दोपहर 3 बजे अहमदाबाद हवाईअड्डे पर आएंगे। शाम 5 बजे के आसपास वे स्टेडियम पहुंचेंगे। मैच के बाद वे राजभवन जाएंगे। राजभवन में ही रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन सोमवार को वे यहां से रवाना होंगे।

सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जनरल एविएशन (जीए) टर्मिनल शनिवार रात केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आने के कारण रात 8.40 बजे और रविवार सुबह 11.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने की वजह से 30 मिनट तक टर्मिनल बंद रहेगा। इस दौरान अन्य लोग डोमेस्टिक, इंटरनेशनल हवाईअड्डे का उपयोग कर सकेंगे। सुरक्षा कारणों से कई चार्टर्ड प्लेन अहमदाबाद में पार्क होंगे। इसके अलावा वडोदरा, सूरत, राजकोट, जयपुर, इंदौर समेत 5 एयरपोर्ट चार्टर्ड प्लेन की पार्किंग के लिए स्टैंड बाय रहेंगे।

खरना के पश्चात 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू

राकेश कुमार

बिहार/ मोतिहारी। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर पूरे जिले में माहौल भक्तिमय बन गया है।

आस्था श्रद्धा एवं नियम निष्ठा के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार की रात खरना व्रत का महाप्रसाद खाने के साथ ही व्यक्तियों की लगातार 36 घंटे का निर्जल आहार व्रत शुरू हो गया। अब व्रति सोमवार को उगते सूरज को अर्घ देने के बाद पहले पूजा अर्चना करेगी। तत्पश्चात प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पालन करेगी। नियम निष्ठा वाले इस पर्व मे परिवार को हर पल खास ख्याल रखना होता है। शुद्धता और सफाई पर्व की पहचान होती है।

सूर्य उपासना के इस महान पर्व के प्रति लोगों की मनोकामना पूर्ण होने की बात कही जाती है। पार्वती देवी, मीणा देवी, लक्ष्मी देवी, सुहागिन देवी, रीता देवी, लालसा देवी, कलावती देवी, नीता देवी, नीरा देवी लालती देवी

आदि छठव्रतियों ने बताया इस पर्व मे मिट्टी से बने चूल्हे पर आम की लकड़ी से महा खरना का प्रसाद बनाया गया। पर्व को लेकर पूरा क्षेत्र मे छठी मैया के गीतों से गुंजायमान हो रहा है। शारदा सिन्हा के अलावे मैथिली के गायक संजीव कश्यप, मैथिली ठाकुर, अपूर्वा प्रियदर्शी अनुपमा यादव जैसे गायिकाओं के गाए छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्ति में बन गया है। हर घर गली मोहल्ले चौक चौराहे पान दुकान इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर छठी मैया के गीत पूरे माहौल को भक्तिमय बना रहे हैं। छठव्रतियों ने बताया कि खरना के मौके पर खीर के अलावे छठी मैया को चढ़ने वाली चपाती की भी तैयारी पूरी कर ली गई है। पर्व की निमित्त खरीदे गए गेहूं को व्रती महिलाओं ने नहाए खाए कि दिन शुक्रवार को ही धोकर सुखा लिया। शनिवार को धुले हुए आटा चक्की मिलन पर गेहूं की पिसाई कराई गई। इसके अलावे खरना के प्रसाद में चढ़ाए जाने वाले खीर पुरी, केला, नारियल, शकरकंद, पत्ते वाली हल्दी, अदरक, नाशपाती, टाब नींबू,पान सुपारी, आरती पत्ता, सिंदूर, कपूर, कुमकुम, सुथनी, गन्ना, फूल एवं दूध से सूर्य उपासना की जाती है। ज्ञात हो कि आज संध्या कालीन एवं सोमवार की सुबह प्रातः कालीन अर्घ्य के साथ ही इस पर्व का समापन होगा। वही संपूर्ण मिथिला क्षेत्र में भाई बहन के अटूट प्रेम पर आधारित सामा चकेवा पर्व के लिए घाट से ही मिट्टी लिया जाता है।वही कार्तिक पूर्णिमा के दिन सामा चकेवा पर्व का समापन होता है।

पेड़ से टकराई स्कार्पियो, छह की मौत

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके सिंधवारिया के बाघमारा गांव में शनिवार तड़के सड़क हादसे में छह बारातियों की मौत हो गई। मृतकों में चार की पहचान हो पाई है। वह हैं- मो. यूसुफ मियां (72), इम्तियाज मियां (40), सुभान अंसारी (35) और स्कार्पियो मालिक व चालक साहिर अंसारी। घायलों में याकूब अंसारी (75) और आफताब अंसारी (35) शामिल हैं। दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

मौका मुआयना कर लौटे मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान और बिरनी थाना प्रभारी मृत्युंजय सिंह का कहना है कि दोनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गजोडीह निवासी डॉ. फारूक अंसारी के पुत्र की शादी थी। हादसाग्रस्त स्कार्पियो साहिर

अंसारी की थी। वह ही उसे चला रहा था।

पुलिस ने बताया कि बारात में जाने के लिए स्कार्पियो को लोग किराये पर लेकर मुफ्फसिल थाना इलाके के टिकोडीह गांव गए थे। बारात में शामिल होकर सभी वापस घर बिरनी लौट रहे थे। रास्ते में बाघमारा गांव के पास यह हादसा हो गया। पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। इस बीच जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी और बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने सदर अस्पताल पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया।

उम्मीद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर यह जानकारी दी

जी-20 लीडर्स समिट की अध्यक्षता करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 नवंबर को एक वर्चुअल जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष सहित सभी जी-20 सदस्यों के नेताओं के साथ-साथ नौ अतिथि देशों और 11 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि 10 सितंबर को नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की थी कि भारत भारत की जी-20 अध्यक्षता के समापन से पहले एक वर्चुअल जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस घोषणा के अनुक्रम में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक वर्चुअल जी-

20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 22 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

बयान के अनुसार अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष सहित सभी जी-20 सदस्यों के नेताओं के साथ-साथ नौ अतिथि देशों और 11 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। गौरतलब है कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को सर्वसम्मति से अपनाया गया था। वर्चुअल शिखर सम्मेलन नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के प्रमुख, चयनित परिणामों व कार्य बिंदुओं को आगे बढ़ाएगा और साथ ही तब से हुए विकास की समीक्षा भी करेगा। 17 नवंबर को आयोजित दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श भी चर्चा में शामिल होंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्चुअल जी-20 शिखर सम्मेलन से प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों सहित विभिन्न जी-20 निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर देने की भी उम्मीद है। भारत के पास 30 नवंबर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता है। 2024 में ब्राज़ीलियाई जी-20 प्रेसीडेंसी के दौरान जी-20 ट्रोइका में भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे।

राजद नेता ने छठव्रतियों के बीच किया पूजन सामग्री और साड़ी का वितरण

बीएनएम@अररिया

राष्ट्रीय जनता दल के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रधान महासचिव ई आयुष अग्रवाल के नेतृत्व में शनिवार को छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री और साड़ी का वितरण किया गया।

मौक़े पर अग्रवाल ने कहा कि छठ पर्व काफ़ी पवित्रता और साफ़ सफ़ाई व सादगी से मनाया जाता है। इस पर्व में जिनसे जो भी सहयोग बन पड़े, एक दूसरे के मदद लिए आगे आना चाहिए।

छठ पर्व सिर्फ़ एक पर्व के तौर पर नहीं वरन एक एहसास है, जो इंसान अपने अंदर महसूस कर पाता है।उन्होंने भगवान भास्कर व छठी मैया से सभी के लिए उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें अगर ऐसा मौका मिलता रहा तो अगले साल और भी वृहत स्तर पर लोगों के बीच रहूंगा और पर्व को पूरे भक्तिभाव से मनाने में जो भी योगदान बन पाएगा, उसके लिए आगे रहूँगा।

श्री अग्रवाल ने कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव व बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी जिस तरीक़े से छठ पर्व को मनाने का काम करते आए है,वह काबिले-तारीफ़ है।

इसी का परिणाम है कि आज राजद के तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं के द्वारा पटना से लेकर लगभग सभी ज़िलों में छठव्रतियों के बीच सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

मौके पर राजद के कुणाल केडिया, अमन अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, अजातशत्रु अग्रवाल, रोशन मंडल, चंदन स्वर्णकार, रणजीत विश्वास, संगीता अग्रवाल, रिंकी टिबरेवाल, मोहित अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल, मयंक सोनावत, रौनक़ जैन, रोहित अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, हरीश गोयल, अमित गोयल, रौशन सेठिया व दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित होकर छठव्रतियों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान DILRMP में सफल गांव का होगा अभिनंदन : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि केन्द्र सरकार योजनाओं की परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए जन संपर्क गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 नवम्बर से 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर रही है।

उन्होंने बताया कि भूमि संसाधन विभाग ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पात्र गांवों को अभिनंदन पत्र वितरित करने और ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने की योजना बनाई है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य एक आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहले चरण में जनजातीय जिलों की ग्राम पंचायतों को अभिनंदन पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार के केंद्रीय क्षेत्र की योजना डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) द्वारा एक सौ प्रतिशत वित्त पोषण के साथ भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के माध्यम से भूमि संबंधी मामलों में काफी प्रगति हुई है।

भूमि संसाधन विभाग ने जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और निगरानी की दिशा में एक कदम के रूप में जिलों के बीच ग्रेडिंग प्रक्रिया शुरू की है। प्लेटिनम ग्रेडिंग उन जिलों को प्रदान जा रही है, जिन्होंने 26 अक्टूबर तक छह बुनियादी घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक काम पूरा कर लिया है। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार 14 राज्यों के 157 जिलों ने बुनियादी छह घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक कार्य पूरा कर लिया है।

बिहार के बक्सर-भोजपुर एनएच-922 पर कार ने कईयों को रौंदा, दो की मौत, दो घायल

पटना। बिहार में राष्ट्रीय उच्च पद संख्या (एनएच-922) पर महाराजगंज गांव के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार कार ने कई स्थानीय लोगों को रौंद दिया। आरंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल बक्सर और भोजपुर जिले की सीमा पर स्थित है। आक्रोशित लोगों ने घटनास्थल के पास हाईवे पर जाम लगा दिया है। ब्रह्मपुर थाने की पुलिस और अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने में जुटे हैं। घटना सड़क की उत्तरी लेन में हुई है। कार में सवार लोग पटना की ओर जा रहे थे। कार ने महाराजगंज गांव निवासी 70 वर्षीय शिवनारायण पासवान तथा 25 वर्षीय पप्पू पासवान को रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई।

आस्था से खिलवाड़ कर रही है बिहार सरकार: कुंदन कुमार

बीएनएम@बेगूसराय

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा चयनित शिक्षकों को छठ के दौरान दूसरे जिलों में प्रशिक्षण के लिए भेजने का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विरोध किया है। भाजपा मीडिया सेल के प्रदेश संयोजक विधायक कुंदन कुमार ने इसे आस्था पर प्रहार बताया है। बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने आज कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ पर एक ओर जहां सम्पूर्ण राष्ट्र के कोने-कोने से बिहार वासी अपने घर आते हैं। वह परिजनों संग पूर्ण सात्विकता से भगवान की आराधना करते हैं। वहीं दूसरी ओर छठ के दिन ही नवनियुक्त शिक्षकों को ट्रेनिंग के नाम पर घरों से दूर भेजना गलत है।

उन्होंने कहा कि यह बिहार सरकार की धर्मविरोधी नीति का द्योतक है। सरकार तुगलकी फरमान जारी कर सनातनी आस्था से खिलवाड़ कर रही है। सरकार छठ महापर्व की प्रासंगिकता पर कुठाराघात कर रही है। नीतियों के निर्धारक जब पथभ्रष्ट हो जाते हैं और धर्म के आधार पर अपनी तुष्टिकरण की मानसिकता को आम आवाम पर थोपने लगते हैं।

कुंदन कुमार ने कहा कि नीतियों के निर्धारक की पथभ्रष्टता के कारण ही ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। बिहार सरकार महापर्व छठ जैसे पावन मौके पर सहित ऐसे सभी अवसर पर सनातनी धर्मावलंबियों की धार्मिक भावना को आहत करने का काम कर रही है। नीतीश कुमार की सरकार के इस हिटलरशाही का जवाब बिहार की जनता सरकार से लेकर रहेगी।

आस्था बंदियों को जेल प्रशासन ने पूजा सामग्री के साथ नए कपड़े भी दिए

मुजफ्फरपुर केंद्रीय कारा में 126 बंदी कर रहे छठ महापर्व

बीएनएम@पटना

बिहार में मुजफ्फरपुर स्थित शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में 62 पुरुष और 64 महिलाओं समेत कुल 126 बंदी इस बार छठ महापर्व कर रहे हैं, जिसमें दो मुस्लिम धर्म के भी बंदी शामिल हैं। छठ पूजा करने के लिए सभी व्रती बंदियों को जेल प्रशासन ने पूजा सामग्री के साथ नए कपड़े भी दिए हैं। जेल के अंदर ही छठ घाट बनाया गया है।

जेल अधीक्षक बृजेश मेहता ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व छठ पर जेल प्रशासन ने सभी मुकम्मल व्यवस्थाओं के साथ छठ पूजा कर रहे बंदियों के बीच पूजन सामग्री और

वस्त्र भी मुहैया कराया है। उन्होंने बताया कि बंदियों के लिए पूजा-पाठ के दौरान विशेष व्यवस्था की गई है। किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न ना हो इसका विशेष ख्याल रखा गया है। उन्होंने बताया कि सभी जगह पर जेल प्रशासन के पदाधिकारी और जेल पुलिस की टीम प्रतिनिधि की गई है। छठ घाट को विशेष तरीके से सजाया गया है, जिस पर विभिन्न देवी देवताओं की कलाकृति बनाई गई है, जिसने छठ घाट को अद्भुत बना दिया है।

कवि जाँच घर
Mob.: 7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

सीतामढ़ी में कथित जहरीली शराब पीने से 6 की मौत, परिजनों ने चुपके से जलाये मृतकों के शव

सीतामढ़ी@मोतिहारी

सीतामढ़ी में कथित जहरीली शराब पीने से 6 लोगों के मौत की खबर सामने आ रही है। अभी तक प्रशासन की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की शाम को सभी मृतक महुआइन में एक साथ शराब का सेवन करने गए हुए थे। जिसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ी और एक-एक करके 6 लोगों की मौत हो गई।

मृतकों के 2 परिजनों ने शवों का दाह संस्कार कर दिया है जबकि नरहा कला गांव निवासी मृतक अवधेश यादव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसके बाद एसपी ने एक ग्रामीण के मौत की पुष्टि की है।छठ से एक दिन हुई वारदात से पूरे गांव में मातम का माहौल है। गांव में चारों तरफ छठ महापर्व के बावजूद सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। ग्रामीण आशंका जता रहे हैं कि 6 की मौत जहरीली शराब पीने से हुई है। त्योहार में एक साथ इतने लोगों की मौत से जिला प्रशासन में भी हड़कंप है। जिनके घर वालों की मौत हुई है उनके परिजन कुछ भी नहीं बोल रहे हैं।

छठव्रतियों के बीच साड़ी व पूजन सामग्री का वितरण

बीएनएम@मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर प्रसिद्ध चिकित्सक व ढ़ाका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ राजन जायसवाल प्रखंड के लैन ग्राम स्थित अपने निवास स्थान पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी करीब 470 छठव्रतियों के बीच साड़ी व पूजन सामग्री का वितरण किया। वहीं श्री जायसवाल ने कहा कि सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है छठ पूजा।यह पर्व बिहार के लिए अलग हीं महत्व रखता है और अब तो पूरे विश्व में अपनी सांस्कृतिक पहचान बना चुका है। प्रत्येक वर्ष वैसे छठव्रतियों को साड़ी व पूजन सामग्री दिया जाता है जो बिल्कुल असमर्थ हैं। मौके पर उपस्थित राजद के राष्ट्रीय सचिव संतोष जायसवाल ने जिलेवासियों को आज से शुरू हो रहे छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इसके अलावा इस वितरण कार्यक्रम के दौरान राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के घोड़ासहन दक्षिणी पंचायत अध्यक्ष अरुण पासवान,पंकज कुमार, अतुल कुमार,अजय कुमार, अशोक कुमार सहित कई समाजसेवी व ग्रामीण मौजूद रहें।

समाचार भेजें
किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें– 9471060219
ई-मेल भेजें
bordernewsmirror@gmail.com

सीतामढ़ी में युवक का मर्डर, अपराधियों ने चाकू गोदकर मार डाला

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में एक युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने आपसी विवाद के कारण युवक को चाकू गोदकर मार डाला। घटना पुनौरा थाना क्षेत्र के खरका स्थित माधुरी यादव कॉलेज के समीप की है। मृतक की पहचान जिले के गोपीनाथपुर निवासी दिलीप राय के पुत्र मनीष कुमार (22) के रूप में की गई है। इधर घटना के बाद आक्रोशित लोगों के द्वारा गौशाला चौक को जाम कर दिया गया। सड़क जाम कर घंटों प्रदर्शन किया गया। आक्रोशित लोगों द्वारा पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वहीं आरोपी के गिरफ्तारी की मांग की गई।

सदर एसडीपीओ ने सड़क जाम हटवाया

घटना की सूचना के बाद स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने आक्रोशित लोगों को समझाने की काफी कोशिश की लेकिन वह नहीं मानें। वहीं सदर एसडीपीओ रामकृष्ण मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर शांत कराकर सड़क जाम को हटाया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। गांव के ही रहने वाले उमेश राय के पुत्र पुरुषोत्तम कुमार के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है।

पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया

मामले में डीएसपी सदर रामकृष्ण ने बताया कि सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। वहीं मृतक के साथ रहे अमित कुमार नामक एक युवक को हिरासत में लेकर रखा गया है। इससे पूछताछ किया जाएगा। पूछताछ करने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि आपसी विवाद को लेकर आरोपी युवक द्वारा एक चाकू मारा गया है। इस वजह से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे।

दु :खद | हॉस्पिटल के मुख्यद्वार पर पांच घंटे तक पड़ा रहा शव

पुलिस के द्वारा हॉस्पिटल में भर्ती वृद्ध की मौत

बीएनएम@मोतिहारी।

जिले के आदापुर सीएचसी में उपचार के लिए नकरदेई पुलिस द्वारा शुक्रवार की देर शाम लाये गए एक अज्ञात 70 वर्षीय वृद्ध की मौत शनिवार की सुबह करीब नौ बजे संदेहास्पद स्थिति में हो गई है। वहीं इस तरह की घटना से अस्पताल कर्मी व पुलिस प्रशासन की मानवीय संवेदना पर कई तरह के सवाल खड़ा हो रहा है। उक्त मृतक का शव अस्पताल के मुख्य द्वार के समीप लावारिश अवस्था में 5 घंटे तक पड़ा रहा। जो स्थानीय लोगों व राहगीरों के लिए तमाशबीन बना रहा। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व पुलिस हेल्प लाइन 112 पर कॉल करके पोस्टमार्टम के लिए गुहार लगाया गया। तब जाकर पुलिसिया कार्रवाई शुरू हुई। इस संदर्भ में हॉस्पिटल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ रेयाजुद्दीन व नर्सिंग ऑफिसर अस्मिता कुमारी से पूछे जाने पर ज्ञात हुआ कि उक्त 70 वर्षीय वृद्ध को नकरदेई पुलिस द्वारा बेहोसी की हालत में इलाज हेतु शुक्रवार की शाम करीब साढ़े 7 बजे लाकर रख दिया गया। जिसका उपचार उस वक्त ड्यूटी पर मौजूद डॉ नरेंद्र कुमार निषाद के द्वारा की गई। वहीं शनिवार की सुबह उक्त वृद्ध टहलते हुए अस्पताल के मुख्य द्वार के समीप सो गया। ततपश्चात अस्पतालकर्मियों के द्वारा करीब 10 बजे देखा गया तो वह मृत अवस्था मे पड़ा हुआ था। इसकी सूचना चिकित्सकों के द्वारा नकरदेई व आदापुर पुलिस को दिए जाने के बावयुद दोपहर 2 बजे तक पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से पुलिस कतराती रही। जिसके बाद वरीय अधिकारी के निर्देश पर आदापुर पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए तो भेजा गया, परंतु नकरदेई पुलिस पर गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप जरूर लग रहा है। आखिर जब उक्त अज्ञात को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया तो नकरदेई पुलिस द्वारा चौकीदार की ड्यूटी क्यों नही लगाई गई। इधर अस्पताल में चिकित्सकों के द्वारा उपचार किया जा रहा था, तो फिर किस परिस्थिति में उक्त वृद्ध बिस्किट खरीदने बाहर जाने के क्रम में गिरकर मर गया। जैसा कि अस्पताल के चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा बताया जा रहा है।

केसरिया महोत्सव में लोकगायिका मैथिली ठाकुर होंगी आकर्षण का केंद्र

28, 29 व 30 नवंबर को संभावित है आयोजन

मुख्यमंत्री कर सकते हैं उद्घटान

डीएम व एसपी ने कार्यक्रम स्थल आदि का लिया जायजा

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल व जिला पुलिस कप्तान कांतेश कुमार मिश्र ने शनिवार को बौद्ध स्तूप पहुँच संभावित तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव की तैयारी का जायजा लिया। इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाना संभावित है। इस दौरान अधिकारी द्वय द्वारा कर्बला मैदान, कैफेटेरिया, बौद्घ स्तूप व लाला छपरा स्थित एक स्थल का मुआयना किया गया। इस क्रम में कार्यक्रम स्थल, मंच, वाहन पड़ाव, होर्डिंग, गेट, अतिथियों का ठहराव स्थल आदि की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने एसडीओ शंभु शरण पाण्डेय को कार्यक्रम स्थल चिन्हित कर आयोजन को सफल बनाने को लेकर तैयारी शुरू कराने को कहा। वहीं डीएम ने इसको लेकर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। वहीं एसपी श्री मिश्रा ने आयोजन स्थल व इसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था आदि पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मौजूद विधायक शालिनी मिश्रा ने कहा कि 28, 29 व 30 नवंबर को होने वाले केसरिया महोत्सव का आयोजन स्थल स्तूप के आसपास होगा। इस आयोजन को यादगार बनाने को लेकर तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा होना संभावित है। इस क्रम में मुख्यमंत्री कैफेटेरिया का भी उद्घाटन करेंगे। वहीं केसरिया में 18 करोड़ की लागत से पर्यटन स्थल विकसित करने की स्वीकृति मिल गई है। जिसके कार्य का शिलान्यास इस आयोजन के क्रम में मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाना संभावित है। उन्होंने कहा कि इस बार क्षेत्रवासियों को केसरिया महोत्सव के मंच से सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर व इण्डियल आईडियल की टीम की प्रस्तुति सुनने को मिलेगी।

वहीं देश के सुप्रसिद्ध हास्यकवि शम्भू शिखर, पद्मिनी शर्मा सहित अन्य कवियों का भी जमघट लगेगा। आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों का स्टॉल भी लगाया जाएगा। विधायक ने कहा कि तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में लेजर शो भी दिखाया जाएगा। मौके पर चकिया डीएसपी सत्येन्द्र सिंह, बीडीओ मनीष कुमार, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा, नपं ईओ समीर कुमार, प्रभारी थानाध्यक्ष रामशरण साह, बीपीआरओ खुशबू कुमारी, पीओ अमित नारायण, नपं के पूर्व मुख्य पार्षद रजनीश कुमार पाठक, मुखिया भोला कुमार, सहेंद्र यादव सहित अन्य मौजदू थे।

इंडो नेपाल गंडक बराज सीमा पर एसएसबी ने एक किलो गंजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया

बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर एसएसबी जवानों ने एक किलो गांजा के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक को एसएसबी ने वाल्मीकिनगर थाना के सुपुर्द कर दिया जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस ने जेल भेज दिया है।

बतादें, वाल्मीकिनगर थाना अंतर्गत भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी 21 वीं वाहिनी के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर एक बुलेट पर सवार नेपाली युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है की उक्त युवक शाम 6:15 बजे नेपाल से भारत में आ रहा था उसी दौरान उसे संदेह के आधार पर तलाशी ली गई और फिर अरेस्ट किया गया। 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बगहा के अधीन बी समवाय गंडक बैराज चेक पोस्ट के इंचार्ज जंगराज ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नेपाली बुलेट नंबर गाड़ी ग.19 प.5942 नाम शाहिद दिन मियां उम्र 24 साल पिता शमसुद्दीन मियां ग्राम विरकोट जिला संज्ञा गंडकी प्रदेश नेपाल से गांजा लेकर भारत में दाखिल होने के क्रम में पकड़ा गया। जिसके पास से एक किलो गांजा मादक पदार्थ प्राप्त हुआ। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक किशन सिंह राणा आरक्षी सामान देवेंद्र आरक्षी सामान कुणाल डालूराम स्वान कुकी डॉग स्कॉयर्ड के साथ मौजूद रहे, बतातें चलें कि यह कार्रवाई इंस्पेक्टर जीडी जंग राज सिंह के नेतृत्व में किया गया तथा सीजर कर वाल्मीकिनगर थाने को सुपुर्द किया गया। वहीं अग्रेतर कार्रवाई करते हुए वाल्मीकिनगर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को जेल भेज दिया।

जयसिहपुर हाई स्कूल में ताला तोड़कर चोरी

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत जयसिंहपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जयसिंहपुर में रात के अंधेरे में चोरो ने अपना हाथ साफ किया है। जयसिंहपुर मौजे निवासी व विद्यालय के रात्रि प्रहरी सुरेन्द्र कुमार ने थाना में आवेदन दिया है। जहां आवेदन में उसने बताया है की गुरुवार की रात्रि में वह विद्यालय में उपस्थित थे। तकरीबन रात्रि 2 बजे उसका भाई आकर सूचना दिया की भाभी का तबियत अचानक खराब हो गया है। सूचना पा कर उसने अपने घर जा कर अपनी पत्नी का इलाज कराने में लग गया। वही सुबह 6 बजे विद्यालय आया तो देखा कि विद्यालय का मुख्य द्वार और कार्यालय का ताला टूटा हुआ है। उसने घबड़ा कर विद्यालय के बगल में सुनील राय को इसकी सूचना दी। सभी लोग स्कूल के अंदर गए तो देखा कि कार्यालय में रखे 2 सेट कम्प्यूटर, 2 पीस प्रिंटर, एक यूपीएस, एक बैट्री, एक इन्वर्टर अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है।

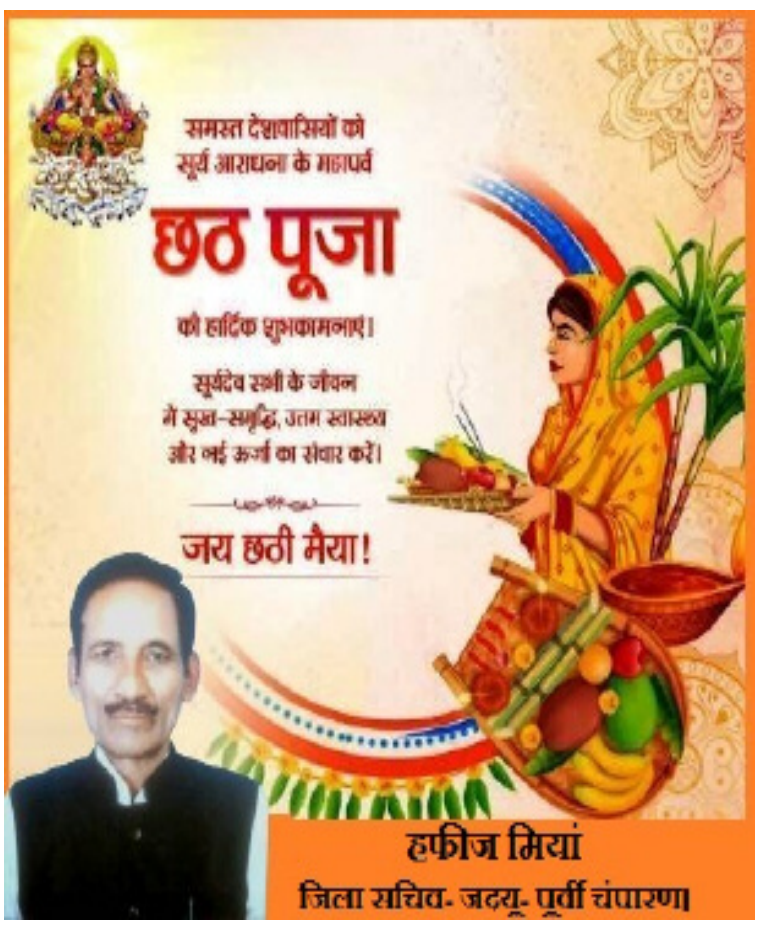

BORDER NEWSMIRROR

Sunday 19 November 2023

Editorial

ऐसे संयुक्त राष्ट्र संघ औचित्य क्या है?

पिछले एक माह से ज्यादा समय से हमास पर इस्राइल के हमले जारी हैं।रूस– यूक्रेन युद्ध एक साल दस माह से ज्यादा से जारी है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नही कर पा रहा।उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नही कर सकता। मानव जाति का विनाश रोक नही सकता।युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नही तो उसका औचित्य क्या है? क्यों कोई देश उसका सदस्य बने।ऐसे नाकारा संगठन को भंग क्यों न कर दिया जाए। पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए बना संयुक्त राष्ट्र संघ अब हाथी के सफैद दांत बन कर रह गया। वह सिर्फ दिखाने मात्र को है।संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज क्या हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में सक्षम नहीं है। हमास– इस्राइल युद्ध एक माह से ज्यादा से जारी है।हमास ने पहले इस्राइल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दागे।इस्राइल में घुंसकर उसके नागरिकों का संहार किया। महिलाओं को सड़कों पर नंगाकर घुमाया गया। बच्चों , महिलाओं समेत इस्राइलवासियों का निर्ममतापूर्वक कत्ल किया गया। 250 से ज्यादा इस्राइली नागरिक बंधक बनाकर ले गए। ये घटना के एक माह बाद भी उनके कब्जे में हैं। अब हमास– इस्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास चल रहे हैं।कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर विटो पायर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नही हो सका।हाल में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रस्ताव स्वीकार किया , किंतु इस्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रस्ताव होता कि हमास ने इस्राइल पर हमला किया है, वह इस्राइल के नुकसान की भरपाई करे।इस्राइल के बंदी रिहा करे।

अग्निहोत्र यज्ञ है प्रदूषण मुक्ति का मार्ग

हृदयनारायण दीक्षित

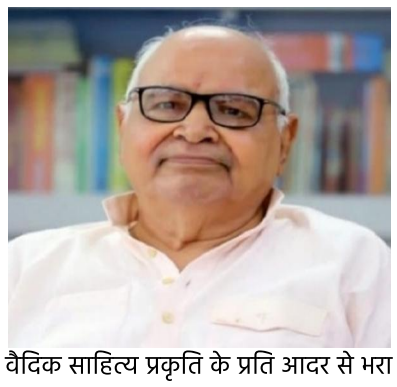

वैदिक साहित्य प्रकृति के प्रति आदर से भरा पूरा है। इस आस्था का तर्क संगत विज्ञान भी है। जर्मनी के डॉ. कुलरिच बर्क वैदिक अग्निहोत्र विज्ञान को कई देशों तक पहुंचा रहे हैं। डॉ. बर्क बर्लिन विश्वविद्यालय में गणित के प्राध्यापक रहे हैं और लगभग चार दशक से वैदिक विज्ञान में सक्रिय हैं। डॉ. बर्क ने 'व्हाट इज डन एंड व्हाट कैन बी डन विद अग्निहोत्र' शीर्षक से तीन सौ पृष्ठों का शोधपत्र बनाया। अग्निहोत्र विज्ञान पर उनके 20 से ज्यादा शोधपत्र विभिन्न देशों में प्रकाशित हुए हैं। डॉ. आरके पाठक बताते हैं कि, "सूर्योदय के समय सम ऊर्जा, विद्युत् ऊर्जा उत्सर्जित होकर पृथ्वी को ऊर्जावान बनाती है। अग्निहोत्र से इसकी सकारात्मकता में वृद्धि होती है। इसी तरह सूर्यास्त के समय ऊर्जा का उत्सर्जन वापस वातावरण में मिलता है। उनके मुताबिक कई देशों में भारत के इस प्राचीन विज्ञान को अपनाया जा रहा है। डॉ. उलरिच बर्क 40 वर्ष से अधिकांश देशों में भारत के प्राचीन अग्निहोत्र विज्ञान का प्रचार कर चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बागवानी संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. आरके पाठक भी इस अभियान से जुड़े हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल और गुजरात के किसान भी इस अभियान का हिस्सा हैं। अग्निहोत्र यज्ञ कर्म का हिस्सा है। इससे प्रदूषण मुक्ति होती है। ऋग्वेद अग्नि स्तुति से ही प्रारम्भ होता है। कहते हैं, "हम अग्नि की स्तुति करते हैं। अग्नि यज्ञ में पुरोहित हैं। यज्ञकर्ता को रत्न देने वाले हैं।" (1.11) भारतीय परम्परा में यज्ञ असाधारण कर्मकाण्ड रहा है। वैदिक ज्ञान के तमाम सूत्र आधुनिक विज्ञान से भी सत्य हैं। ऋग्वेद में ही कहते हैं कि, "यह सृष्टि यज्ञमय है। पूर्व काल में पूर्वजों ने तमाम यज्ञ किए थे।" यज्ञ विधान का लगातार विकास हुआ है। यज्ञ में देव स्तुतियां हैं। यज्ञ का मूल तत्व स्वाहा है। स्वाहा का अर्थ समर्पण है। समर्पण कई तरह का है। हव्य समर्पण है। भाव समर्पण है। ज्ञान समर्पण है। अहंकार समर्पण है। गीता में यज्ञ को व्यापक अर्थ में समझाया गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं, "कुछ योगी देवताओं के लिए यज्ञ करते हैं जबकि अन्य यज्ञकर्ता ब्रह्म की अग्नि में स्वयं को ही अर्पित कर देते हैं।" यज्ञ कई तरह के हैं। कुछ लोग अपनी भौतिक सम्पत्ति व योगाभ्यास से अर्जित शक्ति को यज्ञ में अर्पित करते हैं। उपनिषदों के समय सभी कर्मों को बंधनकारी माना जाता था। कर्मबंधन में बंधे व्यक्ति का पुनर्जन्म होता है। केवल यज्ञ ही बंधन में नहीं डालता। श्रीकृष्ण अर्जुन को बताते हैं, "प्राचीन काल में प्रजापति ने यज्ञ से प्राणी उत्पन्न किए थे और कहा था कि, "यज्ञ तुम्हारी सभी इच्छाओं को पूरा करेगा।" श्रीकृष्ण कहते हैं, "तुम यज्ञ के द्वारा देवताओं का पोषण करो। देवता तुम्हारा पोषण करेंगे।" यहाँ देवताओं और मनुष्य के बीच सामान्य अनुबंध दिखाई पड़ता है। अनुबंध टूटता है। प्रकृति की शक्तियां कोप में होती हैं। तूफान आते हैं। अतिवृष्टि और अनावृष्टि होती है। भूमण्डल का ताप बढ़ता है। मनुष्य प्रकृति की शक्तियों के सम्मुख स्वाहा समर्पण करता है। प्रकृति की शक्तियां पोषण करती हैं। यजुर्वेद के एक मन्त्र में यज्ञ से प्रार्थना है, "हे यज्ञ जहां तक द्यावा, पृथ्वी, समुद्र और दिशाएं हैं, वहां तक हम सभी प्राणी आपसे ऊर्जा पाते हैं।" गीता (4.31) में श्रीकृष्ण कहते हैं, "जो यज्ञ के बाद शेष बचे अन्न खाते हैं वह ब्रह्म को प्राप्त करते हैं।"

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

Today's **Opinion**

सुरंग मेकिंग तकनीक पर विफलता की जिम्मेदारी तय हो

डॉ. रमेश ठाकुर

अब समय आ गया है कि सुरंग मेकिंग तकनीक विफलता की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हुकूमतें इस बात को बेशक न मानें, पर टनल इंजीनियरिंग, अंडरपिनिंग व टनलिंग विधि में भारतीय व्यवस्था अब भी काफी पिछड़ी है। पहाड़ों को फाड़कर उनके भीतर टनल (सुरंग) बनाने का अनुभव नहीं है। हालांकि सॉफ्ट-ग्राउंड क्षेत्र में टनल, सब-वे व सीवर बनाने की विधि में हमारी तकनीक कारगर और मजबूत हैं। पहाड़ी दुर्गम क्षेत्रों को तहस-नहस करके उनमें विशालकाय सुरंगें बनाने के लिए आधुनिक तामझाम, टेक्नोलॉजी व उपयुक्त सिस्टम नहीं हैं। यही बड़ा कारण है कि पहाड़ों में बड़े प्रोजेक्ट कामयाब नहीं हो रहे। वहां, इस तरह की परियोजनाओं के विफल होने के पीछे पर्यावरण प्रकोप भी मुख्य वजह है। उत्तराखंड़ में बीते दशक भर में घटी तमाम दर्दनाक घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्हीं में यह मौजूदा सुरंग की घटना भी शामिल है, जहां, ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ों का सीना चीरकर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग बन रही थी। सुरंग तो नहीं बनी, लेकिन चालीस जिंदगी मौत से जरूर लड़ रही हैं। निश्चित रूप से यह घटना रोंगटे खड़े करती है। समय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, धड़कने तेज हो रही हैं। सुरंग के आसपास के डरावने सन्नाटे से बाकी मजदूर कैसे मुक्त हों? इसकी उम्मीद भी मुकम्मल तौर पर कोई नहीं बंधवाता। 12 तारीख से लेकर अभी तक स्थिति गंभीर बनी हुई है। उम्मीद की किरणें हर पल धूमिल होती दिख रही हैं। हालांकि शासन-प्रशासन का रेस्क्यू अभियान मुस्तैदी से जुटा है। घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों के परिजन चीख-चिल्ला, रो-बिलख रहे हैं और सिस्टम को ललकार रहे हैं। सुरंग को 'मौत की सुरंग' बोलकर ईश्वर से हाथ फैलाकर उनके लिए सलामती की दुआ कर रहे हैं। वैसे, दुआएं उनके परिजन क्या, बल्कि समूचा भारत कर रहा है। मजदूर सुरंग के भीतर किस हाल में होंगे, ये तो सिर्फ वही जानते होंगे? घुप्प अंधेरे में मंडराती बिन बुलाई मौत उनके सामने दस्तक देकर खड़ी होगी, जिसे वो भयभीत होकर निहार रहे होंगे। उस दृश्य की कल्पना मात्र से भी कलेजा कंपकपाता है। बहरहाल, एक उम्मीद बंधी है कि अमेरिकी से कोई आधुनिक ड्रिल मशीन मंगवाई गई है जिसके जरिए मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश जारी हैं। ड्रिल मशीन के जरिए सुरंग के बाजू में एक गड्ढा करके उसमें पाइप डाला जाएगा। इसके सहारे अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकाला जाएगा। यह अमेरिकी ड्रिल मशीन बहुत तेज स्पीड से टनल काटती है। इसके अलावा थाईलैंड से भी मशीनें मंगवाई गई हैं जो इस रेस्क्यू अभियान में भारतीय सेना की मदद करेगी। लेकिन यह घटना कई सवाल खड़े करती है। उत्तराखंड में कई सरकारी प्रोजेक्ट विफल हुए और बड़े हादसों में तब्दील हुए। इशारा साफ है कि मानवीय हिमाकतों का खामियाजा कुदरत ने तुरंत दिया। केदारनाथ पॉवर प्रोजेक्ट, उत्तरकाशी थर्मल प्लांट, बद्रीनाथ आदि में हुए हादसे संकेत ही तो देते हैं कि पहाड़ों को मत छेड़ो? अगर छेड़ोगे तो उसका अंजाम बुरा होगा? बुरा हो भी रहा है। फिर भी कुदरत से मुकाबले करने के लिए इंसान आगे खड़े हैं। खुदा न खास्ता सुरंग में फंसे इन 40 मजदूरों के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। सुरंग ढहने के खिलाफ कानूनी सुरक्षा के लिए सतह प्रक्रिया भी कोई तय नहीं है, जिससे हताहतों के परिजन कानूनी लड़ाई लड़कर न्याय पा सकें। कहा जाता है कि विनाश की उत्पत्ति विकास से ही होती है। विकास के लिए हम इतने अंधे हुए पड़े हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना ही भूल गए। प्राकृतिक संरचनाएं मानव या उनके द्वारा निर्मित मशीनों को कतई इजाजत नहीं देतीं कि उनका सीना वो बिलावजह चीरें? ये बात सौ आने सच है कि विकास के लिए हम पर्यावरण के नियंत्रण को पूरी तरह भूल गए हैं। एक कड़वी सच्चाई से इंजीनियर पूरी तरह वाकिफ होते हुए भी मौन रहते हैं? उन्हें पता होता है कि मैदानी क्षेत्र सुरंग बनाने में मदद करते हैं, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र बिल्कुल नहीं? बावजूद इसके पहाड़ों का दोहन करने से बाज नहीं आते?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे1 इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है1 आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है1

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है1 अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है 1 इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है1

हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है1 वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है1 कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है1 हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है1 अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है1 आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण1 हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है 1 आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी 1 कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है 1 लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी1 कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है 1 सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए 1 साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है1 आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है-

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है1

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना1

लघुकथा: मेरा नाम क्या है

वीरेंद्र बहादुर सिंह

इक्यान्नवे साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पत्नी भी 'कहती हूं' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पत्नी के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की वजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बतंगड़ बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हां में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी।

अरे यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हां, वही तो कह रहा हूं। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यही तो कह कर बुलाता हूं। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिठाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूं तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में है न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की वजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूं।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ गए। मैं भी कैसा आदमी हूं कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

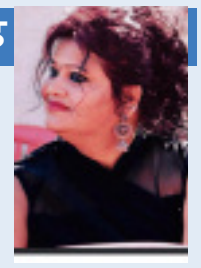

एहसास __

अलहदा है अकेले पन का सुकून,
अनोखा रहस्यमय आभास,
कई रक्तिम आभाओं को समेटे
बांधे रखता है खुद से खुद को !
कई भूली बिसरी यादें,
कुछ सिमटी सी परछाइयां,
थम सी जाती है जहन में,
दर्पण की मानिंद निहारतीं है खुद को,
दे जाती है कई सपने,
और आंखों में घूम जाती है एक सुनहरी सदी !
यादों के भंवर लेकर बदल जाते हैं मन के पलचिन्ह,
अनवरत कारवां गुज़र जाता है पहरों तक,
समय का ठहराव रुकता नही,न रूठना,
न मनाना बस अंतर्द्वंद्व का निश्छल बहते जाना !
जिज्ञासा मंद पड़ जाती है,
तृष्णा शनैः स्वतः शांत हो जाती है,
न पाना न खोना,न मिलना,न बिछड़ना,
जिंदगी का बस यूं ही चलते जाना !

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

हारा-थका किसान

बजते घुंघरू बैल के, मानो गाये गीत।
चप्पा-चप्पा खिल उठे, पा हलधर की प्रीत।।
देता पानी खेत को, जागे सारी रात।
चुनकर कांटे बांटता, फूलों की सौगात।।

आंधी खेल बिगाड़ती, मौसम दे अभिशाप।
मेहनत से न भागता, सर्दी हो या ताप।।
बदल गया मौसम अहो, हारा-थका किसान।
सूखे-सूखे खेत हैं, सूने बिन खलिहान।।

चूल्हा कैसे यूं जले, रही न कौड़ी पास।
रोते बच्चे देखकर, होता खूब उदास।।
ख़्वाबों में खिलते रहे, पीले सरसों खेत।
धरती बंजर हो गई, दिखे रेत ही रेत।।

दीपों की रंगीनियाँ, होली का अनुराग।
रोई आँखें देखकर, नहीं हमारे भाग।।
दुख-दर्दों से है भरा, हलधर का संसार।
सच्चे दिल से प्यार करे, ये माटी से प्यार।।

(सत्यवान 'सौरभ' के चर्चित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' से।)

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

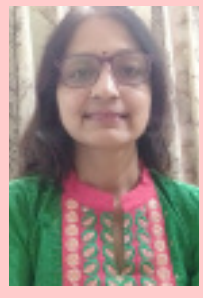

ये अधूरे प्रेम-पत्र..

हैरत की बात है न
जब भी लिखना चाहा
आसमां ने
एक प्रेम-पत्र
धरा के लिए,
कुछ लिख ही नही सका
बस, पिघल गया
बारिश बनकर,
शायद इसीलिए
धरा भी लिखती रही
सभी असंम्प्रेषित खतों के जवाब
हरी चुनर पहनकर
चुपचाप ही!!
सुनों..
इसी आपसी लिखावट में
खोजते चले आ रहे हैं
हम-तुम
अपना-अपना प्रेम
सदियों से अब तक!!
यूं भी
कितना सुखद होता है न
कभी-कभी
कुछ न लिख पाना
किसी के लिए,
और.. पढ़ा जाना
उसके द्वारा
सारा का सारा
वो अलिखा भी!!
तो हैं न कितने खूबसूरत
ये अधूरे प्रेम-पत्र
अपने संपूर्ण प्रेम के साथ!!

BNM Fantasy
Sunday
19 November 2023

प्रियंका ने मुंबई की दो प्रॉपर्टी बेचीं

बॉलीवुड से इंटरनेशनल स्टार बनी प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई में अपने दो पेंटहाउस बेच दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक़, उन्होंने ये पेंटहाउस फिल्म डायरेक्टर, स्क्रिप्ट राइटर और प्रोड्यूसर अभिषेक चौबे को बेचे हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों पेंटहाउस अंधेरी मुंबई के ओशिवारा इलाके के लोखंडवाला कॉम्पलेक्स में मौजूद हैं और इनका सौदा प्रियंका चोपड़ा ने 6 करोड़ रुपए में किया किया है। इन दोनों ही प्रॉपर्टीज का साझा रूप से एरिया 2,292 वर्गफीट बताया जा रहा है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक़, प्रियंका चोपड़ा का पहला पेंटहाउस लगभग 860 वर्गफीट में फैला हुआ है और सबसे ऊपरी माले पर है।

ऊ

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं जिया शंकर

जानी-मानी टेलीविजन स्टार जिया शंकर ने रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' से खूब सुर्खियां बटोरीं। आए दिन अभिनेत्री रैम्प वॉक पर अपनी अदायगी का जलवा बिखेरती नजर आती हैं। हालांकि, एक फिल्म फेस्टिवल इवेंट में शामिल होने के दौरान जिया ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाल ही में, जिया शंकर जियो मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। अभिनेत्री जब पैपराजी को पोज देते हुए फोटो खिंचवा रही थीं, तभी उनके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसकी वजह से पैपराजी के मुंह से 'बाप रे' निकल गया। दरअसल, हुआ यूं कि जिया शंकर जब पैपराजी को पोज दे रही थीं, तभी उनकी स्ट्रैप कंधे से फिसल गई और पैपराजी ने रिएक्ट किया, "अरे बाप रे।" वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार होने पर अच्छे-अच्छों की हवाइयां उड़ जाती हैं, लेकिन जिया ने इसे बहुत ग्रेसफुली संभाला। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "ऐसा कुछ नहीं हुआ है।" जिया शंकर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और अभिनेत्री का कॉन्फिडेंस फैंस को भा गया है। एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने बहुत अच्छी तरह से संभाला।' एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने बहुत अच्छे से हैंडल किया।' एक ने अभिनेत्री की तारीफ में कहा, 'वह बहुत गॉर्जियस लग रही हैं।' एक और ने कमेंट किया, 'आप बहुत हंबल हैं जिया मैम।' इसी तरह लोगों को जिया का जेस्चर पसंद आ रहा है।

मशहूर अभिनेता अली मर्चेंट ने की तीसरी शादी

'दुल्हन' संग निकाह की तस्वीरें कीं शेयर

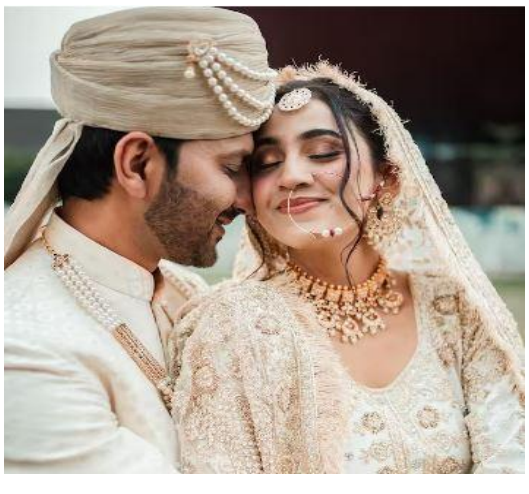

'सात फेरे- सलोनी का सफर' और 'घर एक सपना' जैसे टीवी शोज से मशहूर हुए अभिनेता अली मर्चेंट ने तीसरी बार गुपचुप निकाह कर लिया है। जी हां, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अपने निकाह की अनाउंसमेंट की है। अली मर्चेंट लंबे समय से मॉडल अंदलीब जैदी को डेट कर रहे थे। पिछले महीने ही कपल ने दुबई में सगाई की थी। अभिनेता ने अपनी गर्लफ्रेंड अंदलीब को प्रपोज करते हुए बुर्ज खलीफा के सामने डायमंड रिंग पहनाई थी। अब अभिनेता की शादी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। 'बंदिनी' एक्टर अली मर्चेंट ने 3 नवंबर 2023 को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर गर्लफ्रेंड अंदलीब जैदी के साथ निकाह की तस्वीरें शेयर की हैं। खूबसूरत फोटोज शेयर कर अली ने कैप्शन में लिखा, "और अब हम हमेशा के लिए एक साथ घूम सकते हैं, हैप्पी एवर आफ्टर अब शुरू होता है।"अली मर्चेंट ने अपनी लेडी लव के लिए प्यार का इजहार भी किया है। अली ने अंदलीब के लिए लिखा, "मैं हमें वादों के रूप में नहीं बल्कि विशेषाधिकार के रूप में देखता हूं। मुझे आपके साथ हंसने, आपके साथ रोने, आपकी परवाह करने और आपके साथ सब कुछ शेयर करने का मौका मिलता है।"अली ने आगे कहा, "मुझे आपके साथ दौड़ना है, आपके साथ चलना है, आपके साथ विकसित होता और आपके साथ रहना है। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसके साथ मैं अपनी बची हुई बिताना है। मैं हमेशा आपके लिए मौजूद रहूंगा और सपोर्ट करूंगा। मैं आपसे प्यार करता हूं।"वेडिंग फोटोज में अली और अंदलीब एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए दिखाई दे रहे हैं। निकाह में न्यूली मैरिड कपल ने एक-दूसरे को ट्विन किया। दुल्हन अंदलीब ने ऑफ व्हाइट कलर का शरारा सेट पहना था, जिसे उन्होंने ब्राइडल ज्वेलरी से पूरा किया और न्यूड मेकअप में उनके चेहरे का ग्लो उन्हें और खूबसूरत बना रहा था। अली मैचिंग कलर की शेरवानी में जच रहे थे। बता दें कि अंदलीब संग शादी से पहले अली मर्चेंट का दो तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी अभिनेत्री सारा खान से हुई थी, जिनसे साल भर के अंदर ही वह अलग हो गए थे।

दिवाली के ठीक छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ महापर्व का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रात-काल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

सूर्योपासना का पर्व है छठ पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया।

दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गईं और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छह कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है.

सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ करें छठ पूजा

भगवान सूर्य जिन्हें आदित्य भी कहा जाता है वास्तव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं. इनकी रोशनी से ही प्रकृति में जीवन चक्र चलता है. इनकी किरणों से ही धरती में प्राण का संचार होता है और फल, फूल, अनाज, अंड और शुक्र का निर्माण होता है. यही वर्षा का आकर्षण करते हैं और ऋतु चक्र को चलाते हैं. भगवान सूर्य की इस अपार कृपा के लिए श्रद्धा पूर्वक समर्पण और पूजा उनके प्रति कृतज्ञता को दर्शाता है. सूर्य षष्ठी या छठ व्रत इन्हीं आदित्य सूर्य भगवान को समर्पित है. इस महापर्व में सूर्य नारायण के साथ देवी षष्ठी की पूजा भी होती है. दोनों ही दृष्टि से इस पर्व की अलग अलग कथा एवं महात्मय है. सबसे पहले आप षष्ठी देवी की कथा सुनिये.

छठ व्रत कथा

एक थे राजा प्रियव्रत उनकी पत्नी थी मालिनी. राजा रानी निःसंतान होने से बहुत दुःखी थे. उन्होंने महर्षि कश्यप से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया. यज्ञ के प्रभाव से मालिनी गर्भवती हुई परंतु न महीने बाद जब उन्होंने बालक को जन्म दिया तो वह मृत पैदा हुआ. प्रियव्रत इस से अत्यंत दुःखी हुए और आत्म हत्या करने हेतु तत्पर हुए.

प्रियव्रत जैसे ही आत्महत्या करने वाले थे उसी समय एक देवी वहां प्रकट हुईं. देवी ने कहा प्रियव्रत मैं षष्ठी देवी हूं. मेरी पूजा आराधना से पुत्र की प्राप्ति होती है, मैं सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण करने वाली हूं. अतः तुम मेरी पूजा करो तुम्हे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी. राजा ने देवी की आज्ञा मान कर कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को देवी षष्ठी की पूजा की जिससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई. इस दिन से ही छठ व्रत का अनुष्ठान चला आ रहा है.

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीरामचन्द्र जी जब अयोध्या लटकर आये तब राजतिलक के पश्चात उन्होंने माता सीता के साथ कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को सूर्य देवता की व्रतोपासना की और उस दिन से जनसामान्य में यह पर्व मान्य हो गया और दिनानुदिन इस त्यहार की महत्ता बढ़ती गई व पूर्ण आस्था एवं भक्ति के साथ यह त्यहार मनाया जाने लगा.

छठ व्रत विधि

इस त्यहार को बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हर्षोल्लास एवं द्वनयम निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इस त्यहार की यहां बड़ी मान्यता है. इस महापर्व में देवी षष्ठी माता एवं भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए स्त्री और पुरूष दोनों ही व्रत रखते हैं. व्रत चर दिनो का होता है पहले दिन यानी चतुर्थी को आत्म शुद्धि हेतु व्रत करने वाले केवल अरवा खाते हैं यानी शुद्ध आहार लेते हैं. पंचमी के दिन नहा खा होता है यानी स्नान करके पूजा पाठ करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर फल और मिष्ठान से छठी माता की पूजा की जाती है फिर व्रत करने वाले कुमारी कन्याओं को एवं ब्रह्मणों को भोजन करवाकर इसी खीर को प्रसाद के तर पर खाते हैं. षष्ठी के दिन घर में पवित्रता एवं शुद्धता के साथ उत्तम पकवान बनाये जाते हैं. संध्या के समय पकवानों को बड़े बडे बांस के डालों में भरकर जलाशय के निकट यानी नदी, तालाब, सरोवर पर ले जाया जाता है. इन जलाशयों में ईख का घर बनाकर उनपर दीया जालाया जाता है.

व्रत करने वाले जल में स्नान कर इन डालों को उठाकर डूबते सूर्य एवं षष्ठी माता को अर्घ्य देते हैं. सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने अपने घर वापस आ जाते हैं. रात भर जागरण किया जाता है. सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भर कर नदी तट पर लोग जमा होते हैं. व्रत करने वाले सुबह के समय उगते सूर्य को आर्घ्य देते हैं. अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्ठी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है. कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने अपने घर लट आते हैं. व्रत करने वाले इस दिन परायण करते हैं.

इस पर्व के विषय में मान्यता यह है कि जो भी षष्ठी माता और सूर्य देव से इस दिन मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है. इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते हैं. सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है, लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड देते हुए जाते हैं. दंड की प्रक्रिया इस प्रकार से है पहले सीधे खडे होकर सूर्य देव को प्रणाम किया जाता है फिर पेट की ओर से ज़मीन पर लेटकर दाहिने हाथ से ज़मीन पर एक रेखा खींची जाती है. यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार बार दुहरायी जाती है.

क्यूं मनाते हैं छठ महापर्व

भारत की विविध संस्कृति का एक अहम अंग यहां के पर्व हैं. भारत में ऐसे कई पर्व हैं जो बेहद कठिन माने जाते हैं और इन्हीं पर्वों में से एक है छठ पर्व. छठ को सिर्फ पर्व नहीं महापर्व कहा जाता है. चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती को लगभग तीन दिन का व्रत रखना होता है जिसमें से दो दिन तो निर्जली व्रत रखा जाता है. आइए आज के इस अंक में जानें छठ के बारे में कुछ विशेष बातें.

क्या है छठ- छठ पर्व छठ और षष्ठी का अपभ्रंश है. कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के तुरंत बाद मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन है और महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है. इसी कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया. यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है. पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक में. चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ व कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है.

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है. शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घ आयु की प्रार्थना की जाती है. पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है. छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है. इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया. यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किंतु वह शिशु मृत था. इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी. आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं.' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा. इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी.